इन्टरव्यू २३

प्रः आपका नाम क्या है ?
जः मेरा नाम मोहम्मद इस्लाम है।

प्रः आपकी उम्र कितनी है ?
जः मेरी उम्र करीब 65 साल की है।

प्र: आप अभी भी इस काम में लगे हुए हैं ?
ज: बिनकारी का काम यही बैठे है तो कढ़ा बढ़ा देते हैं, बिनकारी कर नहीं सकते अब।

प्र: आपके पास कितने करघे हैं ?
ज: हमारे पास जितने बच्चे है, सब बीन रहे हे और क्या है, और कोइ करघे वरघे नहीं हैं।

प्र: टोटल कितने करघे हैं ?
ज: यही, पांच करघा है।

प्र: तो सब पर आपके बच्चे ही कर रहे हैं, या मजदूर भी रखा है ?
ज: एक ठे आदमी हैं, यही काम करघे, और का।

प्र: बाकी वर सब घर के लोग हैं ?
ज: हां।

प्र: एक महीने में कितनी साड़ी हो जाती है ?
ज: साड़ी का हिसाब ऐसा है न कि वही साड़ी छः दिन की, वही साड़ी 12 दिन की जैसा जिने का सिस्टम होय, हर्जा हो गयी, लाइन रहती नही बिनाई हो नहीं सकती, यहीं सब बात है, और साड़ी का तो दिन प्रतिदिन दाम घटा जा रहा है तो सब मजदूरिये पर न प्राब्लम आयेगा।

प्र: चाचा जी आपको तो बहुत पुराना अनुभव है बुनकारी का, तो ये बताइये कि इस बीच, इतना लम्बा समय आप देखें हैं तो स्थिति खराब हुई है या अच्छी हुई है ?
ज: बराबर खराब होती जा रही है।

प्र: किस मामले में ?
ज: मतलब कहने का ये कि पहले साड़ी की चाहत रही अब साड़ी की चाहत नहीं हैं पहले मिसाल के तौर पर दस साड़ी की जरूरत है आज और उतर रही है 100 ठे तो कहां बिकेगी?

प्र: हां, इसीलिए कम हो गया होगा ?
ज: बराबर, जीना दुश्वार है, बस लगे हैं।

प्र: और क्या कारण है कबसे ये स्थिति खराब हुई है ?
ज: ह जो दे तो, सन् 90 से, बराबर स्थिति बिगड़ी चली जा रही है और इसमें अन्दर एक बात ये आयी कि शटल का का आया जिसकी वजह से स्थिति और खराब हुई।

प्र: शटल मतलब पावरलूम ?
ज: नहीं हैण्डलूम का काम है ये मसे ढरकी आपै चलती है और उसके बाद आ गया पावरलूम, बस और स्थिति खराब हो गयी, समझिये ये सब साड़ियां जो उतर रही हैं, पावरलूम से बिना रही हैं, तो बेचेगा अगर 1000रुपया की तो हमारी पड़ेगी 1500 की, तो कौन लेगा, बड़ी बड़ी परेशानी है।

प्र: अच्छा आपको ऐसा भी लगता है कि 90 के बाद सरकार की नीति में भी कोई बदलाव आया है या पावरलूम और शटल ही कारण है ?
ज: बस अब हम क्या जाने सरकार, क्या जाने क्या हमारा काम है जो वो हमें बता रहे हैं।

प्र: अच्छा रेशम के दाम-ठाम में कुछ ?
ज: रेशम के दाम में तो बहुत कमी हो गयी, मगर रेजा का दाम भी बरोबर घट रहा है।

प्र: तब भी स्थिति खराब होती जा रही है ?
ज: तब भी स्थिति खराब है, मिसाल के लिए जहां साड़ी देंगे, जहां भी दे, अगर तनीको ऐब हुआ 200 रुपया कम, और तो ऐब होना ही होना है, हाथ का दाम है, इसके अन्दर वो ऊहने कटेगा, जरा सा कुछ हुआ, डिफेक्ट है, ले जाइये अब आधा में बेचो।

प्र: आप ये साड़ी ले जाकर कहां बेचते हैं ?
ज: चाहे जहां बिक जाए।

प्र: गद्दी पर देते हैं, या आपर्टम्ट जाते हैं ?
ज: नहीं जहां बिक जाये।

प्र: मतलब मार्केट में जहां बिक जाय ?
ज: हां।

प्र: अच्छा चाचा ये बताइये कि साड़ी का एक्सपोर्ट बढ़ा है या घटा है ?
ज: वो तो जो लोग कहते हैं, वही जानेंगे, न हम लोग को, मजदूरा आदमी है जो मिल गया बस उसी पर इत्तेफाक दे।